डॉ. पद्मा पाटील
एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

संस्तुति

मैं संस्तुति करती हूँ कि, **श्री.भिकाजी व्हन्नाप्पा कांबळे** द्वारा लिखित **"भीमकथाअमृतम् काव्य का अनुशीलन"** लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : 27 DEC 2010

(डॉ.पद्मा पाटील)
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय
कोल्हापुर

डॉ.साताप्पा शामराव सावंत
एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.
सहयोगी प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिन्दी विभाग,
विलिंग्डन महाविद्यालय, सांगली।

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **श्री.भिकाजी व्हन्नाप्पा कांबळे** ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए **"भीमकथाअमृतम् काव्य का अनुशीलन"** लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। यह उनकी मौलिक रचना है। पूर्व योजना के अनुसार संपन्न इस शोध कार्य में शोध-छात्र ने मेरे सुझावों का पूर्णत: पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही है। यह शोधकार्य इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : 27 DEC 2010

शोध-निर्देशक
(डॉ.साताप्पा शा.सावंत)

प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करता हूँ की **"भीमकथाअमृतम् काव्य का अनुशीलन"** लघु शोध-प्रबंध मेरा शोध कार्य है, जो शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह शोध कार्य इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

स्थान : कोल्हापुर।

तिथि : 27 DEC 2010

शोध छात्र

BKamble

(श्री . भिकाजी व्हन्नाप्पा कांबळे)